'वीआईपी' की बाई-पास सुविधा बंद न हुई, तो आधारभूत व्यवस्था नहीं सुधरेगी : कलाम

प्रत्याशियों के आय स्रोत स्कूल के जमाने से पता करें

संतोष ठाकुर, नई दिल्ली

राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की कुछ खासियत उनको हमेशा भीड़ में मौजूद शख्सियतों से कुछ अलग करती रही है। ऐसा ही एक उदाहरण उन्होंने बृहस्पतिवार को आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक तीन दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर भी प्रस्तुत किया। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की चुनाव व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। लेकिन इसमें कुछ और सुधार आवश्यक है। यदि सरकार सभी उम्मीदवारों के स्कूल, कॉलेज और उसके बाद के समय में उसके आय के स्रोत की जानकारी जुटाने का काम करे, तो चुने गए प्रतिनिधियों के आय के बारे में होने वाले अचानक के धमाकों से बचा जा सकता है।

राष्ट्रपति ने एक घटना का हवाला देते हुए बताया कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जब मैं अपना वोट देने अपने मतदान केंद्र पर गया तो वहां सुरक्षा स्टॉफ ने मुझे अन्य लोगों से पहले मत देने का आग्रह किया, जबकि कई लोग काफी देर से लाइन में लगे हुए थे। कारण पूछे जाने पर सुरक्षा स्टॉफ ने बताया कि क्योंकि आप राष्ट्रपति हैं, लेकिन मैंने इस तरह के बाई-पास के लिए मना कर दिया। मैं जानता हूं कि जब तक 'वीआईपी नाम' की यह बाई-पास सुविधा बंद नहीं होगी, देश की आधारभूत व्यवस्था में सुधार नहीं आ सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि चुनाव व्यवस्था में और सुधार की जरूरत है। सभी राजनैतिक दलों को यह विचार करना चाहिए कि क्या किसी उम्मीदवार का आम आदमी के प्रति किया जाने वाला व्यवहार भी उसकी योग्यता में शामिल नहीं होना चाहिए? अगर ऐसा हो जाए तो देश में एक क्रांतिकारी परिवर्तन आने से कोई नहीं रोक पाएगा। हालांकि उन्होंने इस पर स्वयं संदेह भी जताया।

■ आईआईटी दिल्ली में सेमिनार के उद्घाटन मौके पर राष्ट्रपति कलाम। जागरण

उन्होंने कहा कि हालांकि मतदान के लिए अब इलेक्ट्रोनिक मशीनों का दौर आ गया है। लेकिन असली क्रांति उस दिन आएगी, जब लोग अपने घरों में बैठकर ही इंटरनेट के माध्यम से अपना मत दे पाएंगे। ऐसी व्यवस्था पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। वे बच्चों से अपने प्रेम को यहां भी नहीं रोक पाए और सरस्वती वंदना के लिए आए स्कूली बच्चों से बात कर उनके सपनों की जानकारी ली।